

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--अण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 574 तई जिल्ली, बुधवार, त्वम्बर 24, 1971/अग्रहायरा 3, 1893

No. 574] NEW ELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 24, 1971/AGRAHAYANA 3, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या र्वा जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के रूप में रखा जा सर्छे Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

CORRIGENDA

INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd November 1971

- S.O. 5241.—In the Wealth-tax (Amendment) Rules. 1971, published with the notification of the Central Board of Direct Taxes No. S.O. 999, dated the 26th February, 1971, at pages 1399-1404 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3. Sub-section (ii) dated the 1st March, 1971,—
 - (1) at page 1404,-

in colum 5 of Annexure I, insert "Rs." below the words 'if any';

- (2) at page 1404,--
 - (i) in line 41, insert horizontal line below "Rs.....":
 - (ii) in line 46, insert horizontal line below "Rs.....";
- (3) at page 1402,—
 - (i) in line 2, insert "," after the words 'municipal corporation';
 - (ii) in line 10, for "'urban area'" read "'urban areas'";
 - (iii) in Annexure V,-
 - (A) in column 2-
 - (a) for "(Rs.)" read "Rs.";
 - (b) delete horizontal line below the word 'TOTAL':
 - (B) read 'Less: Amount exempt to the extent mentioned in sub-section (1A) or section 5 [to the extent not availed of against the value

of movable property (non-business asssets) in Annexure VI]" under column 1 only instead of under both the columns; (4) at page 1403.---(i) in Annexure VI.— (a) in column 2, for "Value Rs." read "Value Rs. (b) in line 16, in item 7, delete "," after the words 'co-operative banks' (e) in line 20, for "Less" read "Less:": (d) in line 21, (i) for "Less" read "Less:": (ii) for "closely held" read "closely-held": (e) in lines 28 & 29, in sub-item (b) of item 9, insert ")," after the word 'above' and delete ")" after the word 'companies'; (f) against line 5 of sub-item (a) of item 10, in solumn 2, insert (5) at page 1404.—-(i) against line 7, in column 1, read "....."; (ii) (a) against line 10, in column 1, read "....."; (b) in line 10, in column 2, below '......' insert horizontal line; Mil) in line 18, delete "." after the word 'salaried'; (iv) in line 15, in column 2, delete "....."; (v) in the 16, insert "to" after the word 'assessee'; (vi) in line if insert "Rs." just above the word "Rs." in line 20; (vii) in line 20, inert horizontal line below "Rs. 20,000"; (wiii) above line 21, under column 2, insert "....."; (ix) below line 23, (a) in column 1, insert "Description..... Weight......"; and (b) below column 2 against these words and dots as so added insert ".....";

(x) in line 26, for "15.*Other" read "*15.Other";
(xi) in line 31, after the word 'details', insert [."];

(xii) in line 40, below "....." insert horizontal line;

[No. 381/F. No. 143(1)/71-194.] R. R. KHOSLA, Seev.

कोन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

शुद्धि-पत्र

धन-कर

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1971

का॰ आ॰ 5241.—भारत के राजपन्न, ध्रसाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1-3-71 में प्रकाशित श्रिधसुचना सं० 63/फा॰ सं० ''3 (i) 71-टी पी॰ एल दिनांक 26 फरवरी 1971 में निम्न संशोधन कर लिये जाये।

- (1) पृष्ठ 1406 पर उपाबंध 2 के टिप्पण मे @ के सामने दूसरी पंक्ति में "भ-खंड" के स्थान, पर "भ्-खंड" पढ़ा जायगा।
- (2) पूष्ठ 1406 पर टिप्पण में ** के सामने तीसरी पंक्ति के "स्थिति" के स्थान पर "स्थित" पढ़ा जायगा।
- (3) पूष्ठ 1406 पर टिप्पण में ** के सामने पॉस्त्वी पंक्ति में नगर-पालिका श्रीर छावनी के भीच "या" शब्द पहा जायगा।

- (4) पूष्ठ 1408 पर "उपाबन्ध-4" की प्रथम पंक्ति में "विवरण" के स्थान पर "निष-रणी" पढ़ा जायगा।
- (5) पृष्ठ 1408 तर "उपाबन्ध-4" में दूसरी पंक्ति में "श्रद्धनोत" के स्थान पर "श्रन्तार्गव" पढ़ा जायगा।
- (6) पुष्क : 409 पर, उपादाध 4 की प्रथम पंत्रिस में "स्थित" के स्थान पर "स्थित" पढ़ा आकृता।
- (7) गुष्ट 1409 पर, प्रथम पंक्ति सका झाइजी चंक्सि में "स्थिति" के स्वास पर "स्थित" ।
 - (७) पुष्क 1409 पर, भिरह र्ी के सामने न्यारहवीं पंक्ति में "वह" को "बह्वी" पढ़ा जावणा ।
 - (9) बृश्ठ 1409 के मध्य में शीथ "चवर्षश्र-5" को "स्पायन्स-5" वहा जाववर
- (10) पृष्ट 1409 वर, उपायन्ध-5 की पूसरी पंतिस में "संक्रम" के स्वाय वर "संगम" वहां जानगा।
 - (11) पुण्ड 1410 वर, दूसरी पंक्ति के मुक्त में "I" के स्थाम वर "VI" वड़ा जाशना।
 - (12) पुष्ठ 1410 पर, बौथी पंत्ती में "टिप्पक्ती" के स्थान पर पर ''टिप्पका" बढा जायना
- (13) पृष्ठ 1410 पर, जीबी पंक्ति में "बूक्बॉक्त" के स्वास पर "बूक्बॉक्स" बढ़ा जायन।
 - (14) पृष्ट 1410 पर पांचवी पंत्रित में "पूर्ववर्ती" के पश्चात् "नेखा" शब्द पढ़ा जानगा।
- (15) पृष्ठ 1410 पर, उपाबन्ध 6 की प्रथम पंचित में, "विवरण" के स्थान पर "विवरणी" पढ़ा जावगा।
- (16) पूष्ट 1410 पर, स्पातन्ध ६ की मद संख्या 1 में "विनिधिष्ट" के स्थान पर "निधिष्ट" पढ़ा जायगा।
- (17) पृथ्क 1410 पर, उपाबन्ध 6 के धन्छ में "ऋष" के सामने दिये नये निवरण की तीसरी पंक्ति, में स्पाधन्ध के बाद "4" पढ़ा जायवा।
 - (18) पुष्ठ 1411 की दूसरी पंक्ति में "चहिना" के स्थाव पर "उस्लिखित" पहा जामरा ।
- (19) पुष्ठ 1411 में भव 13 की प्रश्रम विका में "बृत्तियां" के स्थान पर "बृत्तियां पढ़ा जायगा
- (20) पृष्ट 1411 में जब 14 (ग) की बूसरी पंक्ति में "बचन" के स्थान पर "बजन पढ़ा जायगा,
- (21) पूष्ठ 1412 में घद (ख) की प्रथम पंक्षित में "उपमध" के स्थान पर "उपायन्थ" पढ़ा जायगा।

[सं० 332/फा॰ सं० 143 (1)/71-टी॰ पी॰ एल] भ र० ग्रार० खोसला, संस्थि।